satvikly

PURE · SATVIK · PUJA ESSENTIALS

॥ ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः ॥

श्री सत्यनारायण पूजा विधि और मंत्र

SATYANARAYAN PUJA VIDHI & MANTRA

२६ चरण · घर पर की जाने वाली सरल विधि · Step-by-step home Vidhi

BEFORE YOU BEGIN

पूजा शुरू करने से पहले

- [ ] स्नान करके साफ वस्त्र पहनें।
- [ ] साफ पूजा स्थान पर पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके बैठें।
- [ ] चौकी पर साफ वस्त्र बिछाकर श्री सत्यनारायण भगवान का चित्र या मूर्ति रखें।
- [ ] कलश, दीपक, जल, अक्षत, फूल, तुलसी, पंचामृत, फल और नैवेद्य पास रखें।
- [ ] फ्रेम वाले चित्र पर जल या पंचामृत न डालें। सभी तरल अर्पण सामने रखे पात्र में प्रतीक रूप से करें।
- [ ] छोटी धातु की मूर्ति हो तो परिवार की परंपरा के अनुसार स्नान करा सकते हैं।

१

शुद्धिकरण

SHUDDHIKARAN · PURIFICATION

दाहिने हाथ में थोड़ा जल लें। मंत्र पढ़ते हुए अपने ऊपर और पूजा सामग्री पर हल्का जल छिड़कें।

मंत्र · MANTRA

ॐ अपवित्रः पवित्रो वा सर्वावस्थां गतोऽपि वा।

यः स्मरेत् पुण्डरीकाक्षं स बाह्याभ्यन्तरः शुचिः॥

२

गणेश स्मरण

GANESH SMARAN

गणेश जी का ध्यान करके फूल या अक्षत अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

वक्रतुण्ड महाकाय सूर्यकोटि समप्रभ।
निर्विघ्नं कुरु मे देव सर्वकार्येषु सर्वदा॥

ॐ गं गणपतये नमः॥

३

कलश स्थापना

KALASH STHAPANA

जल भरे कलश पर मौली बांधें। आम के पत्ते रखकर ऊपर नारियल स्थापित करें। कलश का ध्यान करते हुए मंत्र पढ़ें।

मंत्र · MANTRA

कलशस्य मुखे विष्णुः कण्ठे रुद्रः समाश्रितः।
मूले तत्र स्थितो ब्रह्मा मध्ये मातृगणाः स्मृताः॥

कुक्षौ तु सागराः सर्वे सप्तद्वीपा वसुन्धरा।
ऋग्वेदोऽथ यजुर्वेदः सामवेदो ह्यथर्वणः॥

अङ्गैश्च सहिताः सर्वे कलशं तु समाश्रिताः॥

४ संकल्प

SANKALP

दाहिने हाथ में जल, अक्षत और फूल लें। अपना नाम और पूजा का उद्देश्य बोलें।

सरल संकल्प

मैं, ... , श्रद्धापूर्वक श्री सत्यनारायण भगवान की पूजा और पांच अध्याय कथा का श्रवण करने का संकल्प लेता / लेती हूं। भगवान मेरी पूजा स्वीकार करें।

संकल्प पूरा होने पर हाथ का जल सामने रखे पात्र में छोड़ें।

५ श्री सत्यनारायण भगवान का ध्यान

DHYAN

हाथ में फूल लेकर भगवान के स्वरूप का ध्यान करें।

मंत्र · MANTRA

ध्यायेत् सत्यं गुणातीतं गुणत्रयसमन्वितम्।
लोकनाथं त्रिलोकेशं कौस्तुभाभरणं हरिम्॥

नीलवर्णं पीतवस्त्रं श्रीवत्सपदभूषितम्।
गोविन्दं गोकुलानन्दं ब्रह्माद्यैरपि पूजितम्॥

६

आवाहन

AVAHAN

हाथ जोड़कर भगवान से पूजा में पधारने की प्रार्थना करें।

मंत्र · MANTRA

दामोदर समागच्छ लक्ष्म्या सह जगत्पते।
इमां मया कृतां पूजां गृहाण सुरसत्तम॥

ॐ श्रीलक्ष्मी-सहित-श्रीसत्यनारायणम् आवाहयामि।

७

आसन

ASAN

भगवान के सामने फूल अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

नानारत्नसमाकीर्णं कार्तस्वरविभूषितम्।
आसनं देवदेवेश प्रीत्यर्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः आसनं समर्पयामि।

८

पाद्य

PADYA

भगवान के चरण धोने के भाव से थोड़ा जल अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

नारायण नमस्तेऽस्तु नरकार्णवतारक।
पाद्यं गृहाण देवेश मम सौख्यं विवर्धय॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः पादयोः पाद्यं समर्पयामि।

९

अर्घ्य

ARGHYA

जल में अक्षत और फूल रखकर अर्घ्य अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

व्यक्ताव्यक्तस्वरूपाय हृषीकपतये नमः।

मया निवेदितो भक्त्या अर्घ्योऽयं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः अर्घ्यं समर्पयामि।

१०

आचमनीय जल

ACHAMANIYA JAL

भगवान के आचमन के लिए थोड़ा स्वच्छ जल अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

मन्दाकिन्यास्तु यद्वारि सर्वपापहरं शुभम्।

तदिदं कल्पितं देव सम्यगाचम्यतां विभो॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः आचमनीयं समर्पयामि।

११

पंचामृत स्नान

PANCHAMRIT SNAN

दूध, दही, घी, शहद और शक्कर से बना पंचामृत अर्पित करें। चित्र की पूजा में पंचामृत सामने रखे पात्र में छोड़ें।

मंत्र · MANTRA

स्नानं पञ्चामृतैर्देव गृहाण सुरसत्तम।

अनाथनाथसर्वज्ञ गीर्वाणप्रणतप्रिय॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः पञ्चामृतस्नानं समर्पयामि।

१२ शुद्ध जल स्नान

SHUDDHODAKA SNAN

पंचामृत के बाद स्वच्छ जल अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

नानातीर्थसमानीतं सर्वपापहरं शुभम्।

तदिदं कल्पितं देव स्नानार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः शुद्धोदकस्नानं समर्पयामि।

१३ वस्त्र

VASTRA

छोटा साफ वस्त्र या पीला कपड़ा अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

शीतवातोष्णसंत्राणं लज्जायाः रक्षणं परम्।

देहालङ्करणं वस्त्रं प्रीत्यर्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः वस्त्रयुग्मं समर्पयामि।

१४ यज्ञोपवीत

YAJNOPAVIT

जनेऊ अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

ब्रह्माविष्णुमहेशेन निर्मितं सूत्रमुत्तमम्।

गृहाण भगवन् विष्णो सर्वेष्टफलदो भव॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः यज्ञोपवीतं समर्पयामि।

१५ चंदन
CHANDAN

भगवान को चंदन अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

श्रीखण्डं चन्दनं दिव्यं गन्धाढ्यं सुमनोहरम्।
विलेपनं सुरश्रेष्ठ चन्दनं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः चन्दनं समर्पयामि।

१६ फूल और तुलसी
PUSHPA AUR TULSI

फूल, माला और साफ तुलसी दल अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

माल्यादीनि सुगन्धीनि मालत्यादीनि वै प्रभो।
मया हृतानि पुष्पाणि पूजार्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः पुष्पाणि समर्पयामि।

१७ धूप
DHOOP

धूप या अगरबत्ती अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

वनस्पतिरसोद्भूतो गन्धाढ्यो गन्ध उत्तमः।
आघ्रेयः सर्वदेवानां धूपोऽयं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः धूपम् आघ्रापयामि।

१८ दीप

DEEP

भगवान के सामने दीप दिखाएं।

मंत्र · MANTRA

साज्यं च वर्तिसंयुक्तं वह्निना दीपितं मया।
दीपं गृहाण देवेश मम सौख्यप्रदो भव॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः दीपं दर्शयामि।

१९ नैवेद्य

NAIVEDYA

पंजीरी, केला, फल, खीर या घर में तैयार सात्त्विक प्रसाद अर्पित करें। भोग लगाने से पहले भोजन न चखें।

मंत्र · MANTRA

घृतपक्वं हविष्यान्नं पायसं च सशर्करम्।
नानाविधं च नैवेद्यं गृह्णीष्व सुरसत्तम॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः नैवेद्यं निवेदयामि।

२० ताम्बूल

TAMBOOL

पान, सुपारी, लौंग और इलायची उपलब्ध हों तो अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

लवङ्गकर्पूरसंयुक्तं ताम्बूलं सुरपूजितम्।
एलादिचूर्णसंयुक्तं प्रीत्यर्थं प्रतिगृह्यताम्॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः ताम्बूलं समर्पयामि।

२१ फल

PHAL

मौसमी फल अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

इदं फलं मया देव स्थापितं पुरतस्तव।

तेन मे सफलावाप्तिर्भवेज्जन्मनि जन्मनि॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः फलं समर्पयामि।

२२ श्री सत्यनारायण व्रत कथा

VRAT KATHA

नैवेद्य और फल अर्पित करने के बाद श्री सत्यनारायण व्रत कथा के सभी ५ अध्याय क्रम से पढ़ें या सुनें।

- १ प्रथम अध्याय
- २ द्वितीय अध्याय
- ३ तृतीय अध्याय
- ४ चतुर्थ अध्याय
- ५ पंचम अध्याय

पूजा के दौरान कोई अध्याय न छोड़ें।

२३ आरती

AARTI

पांचों अध्याय पूरे होने के बाद श्री सत्यनारायण भगवान की आरती करें।

मंत्र · MANTRA

ॐ जय लक्ष्मीरमणा, स्वामी जय लक्ष्मीरमणा।

२४ प्रदक्षिणा

PRADAKSHINA

भगवान की दाईं ओर से प्रदक्षिणा करें। स्थान कम हो तो हाथ में फूल लेकर मन में प्रदक्षिणा अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

यानि कानि च पापानि जन्मान्तरकृतानि च।
तानि तानि विनश्यन्तु प्रदक्षिणपदे पदे॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः प्रदक्षिणां समर्पयामि।

२५ पुष्पांजलि और क्षमा प्रार्थना

PUSHPANJALI

हाथ में फूल और अक्षत लेकर मंत्र पढ़ें। मंत्र पूरा होने पर फूल भगवान के सामने अर्पित करें।

मंत्र · MANTRA

यन्मया भक्तियुक्तेन पत्रं पुष्पं फलं जलम्।
निवेदितं च नैवेद्यं तद्गृहाणानुकम्पया॥

मन्त्रहीनं क्रियाहीनं भक्तिहीनं जनार्दन।
यत्पूजितं मया देव परिपूर्णं तदस्तु मे॥

अनया पूजया श्रीविष्णुः प्रसीदतु॥

ॐ श्रीसत्यनारायणाय नमः पुष्पाञ्जलिं समर्पयामि।

२६

प्रसाद वितरण

PRASAD VITARAN

- [ ] भगवान को प्रणाम करें।
- [ ] पहले भगवान को अर्पित नैवेद्य हटाएं।
- [ ] पंचामृत और प्रसाद सभी उपस्थित लोगों में बांटें।
- [ ] कथा सुनने वाले प्रत्येक व्यक्ति को प्रसाद दें।
- [ ] बचा हुआ प्रसाद अनादर से न फेंकें।

॥

अस्वीकरण

DISCLAIMER

यह घर पर की जाने वाली सामान्य श्री सत्यनारायण पूजा की सरल विधि है। संकल्प, पूजा क्रम और मंत्रों में क्षेत्र, संप्रदाय, कुल परंपरा तथा पंडित पद्धति के अनुसार अंतर हो सकता है। विस्तृत वैदिक संकल्प, प्राण प्रतिष्ठा, न्यास, नवग्रह पूजन या हवन के लिए योग्य पंडित जी की सहायता लें। अपने परिवार की स्थापित पूजा परंपरा को प्राथमिकता दें।